संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-10 । अंक-9 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 4 अगस्त 2026 से 10 अगस्त 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

सवा दो लाख मासिक वेतन के बाद भी

सूचना आयुक्त उमाशंकर पचौरी ने ली रिश्वत..?

सूचना आयुक्त उमाशंकर पचौरी

भोपाल। राज्य सूचना आयोग में आरटीआई के मामलों की सुनवाई और पारदर्शिता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। एक ओर जहां राज्य सूचना आयुक्तों को भारी-भरकम (सवा दो लाख रुपये मासिक) वेतन और तमाम सुख-सुविधाएं दी जाती हैं, वहीं दूसरी ओर पारित किए जा रहे कुछ फैसलों पर अब भ्रष्टाचार और पक्षपात के गंभीर आरोप लगने लगे हैं।

SPECIAL REPORT

✍ नवीन गलकर

मामला खरगोन जिले के जनजातीय कार्य विभाग से जुड़ा है, जहां आवेदक द्वारा सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत अपूर्ण/भ्रामक जानकारी देने और सूचना छिपाए जाने को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी। इस प्रकरण में राज्य सूचना आयुक्त डॉ. उमाशंकर पचौरी द्वारा दिनांक 10.06.2026 को एक आदेश पारित किया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस आदेश का अवलोकन करने से यह प्रतीत होता है कि सूचना आयुक्त डॉ. उमाशंकर पचौरी ने कथित तौर पर लाभ की स्थिति बनाते हुए लोक सूचना अधिकारी और प्रथम अपीलीय अधिकारी को राहत देने का प्रयास किया है। आयुक्त पचौरी द्वारा दोषी लोक सूचना अधिकारी पर सख्त कार्रवाई करने के बजाय उसे मामले में राहत देते हुए अतिरिक्त अवसर प्रदान कर दिया गया है। प्रथम अपीलीय अधिकारी ने भी लोकसूचना अधिकारी के अधूरे जवाब से संतुष्ट होकर अपील खारिज कर दी थी।

इसके अतिरिक्त शिकायतकर्ता ने सुनवाई से पूर्व 1 जून 2026 को ईमेल के माध्यम से विस्तृत लिखित तर्क और साक्ष्य प्रस्तुत किए थे, लेकिन दिनांक 10.06.2026 के आदेश में इनका कोई उल्लेख नहीं किया गया और न ही कोई विधिक निष्कर्ष दिया गया, जो 'प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों' का खुला उल्लंघन है।

आरटीआई अधिनियम तथा आयोग के स्वयं के स्थापित प्रशासनिक मानदंडों के अनुसार, यदि कोई लोक सूचना अधिकारी किसी भी युक्तियुक्त कारण के बिना निर्धारित समयावधि में पूर्ण या सही जानकारी उपलब्ध नहीं कराता है, तो अधिनियम की धारा 20 के तहत संबंधित दोषी अधिकारी पर सीधे शास्ति अधिरोपित किए जाने का स्पष्ट प्रावधान है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या लोक सूचना अधिकारी को इस प्रकार अवसर दिए जाने का कोई विधिक नियम या प्रावधान है? क्या राज्य सूचना आयुक्त डॉ. उमाशंकर पचौरी अपने स्वविवेक या मनमाने ढंग से ऐसे आदेश पारित कर रहे हैं, या उन्हें स्थापित नियमों और कानूनों का पालन करते हुए पारदर्शी तरीके से न्यायसंगत आदेश पारित करने चाहिए?

सवा दो लाख रुपये मासिक वेतन लेने वाले जिम्मेदार पद पर बैठे उच्च पदाधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वे व्यक्तिगत प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर कानून सम्मत और निष्पक्ष न्याय सुनिश्चित करें। इस मामले में अब आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लग रहे हैं।

संभाग पोस्ट अपने पिछले कई अंकों में ऐसे मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहा है

सुविचार

संभव की सीमा जानने का एक ही तरीका है, असंभव से भी आगे निकल जाना।

संपादकीय

टूट रहीं संसदीय मर्यादाएं

भारी हंगामे और तीखी नोंकझोंक के बीच लोकसभा में एंटी पेपरलीक संशोधन बिल ध्वनि-मत से पारित करना पड़ा। इस बिल पर 45 सांसदों ने, 10 से ज्यादा घंटे की बहस के दौरान, अपनी बात रखी और संशोधन भी पेश किए, लेकिन बिल पर मत-विभाजन तक नहीं कराया गया। यह लोकतंत्र की सूक्ष्म एवं महत्वपूर्ण अनिवार्यता है। बिल 'हां' अथवा 'ना' के शोर में पारित नहीं कराया जाना चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य और विडंबना है कि आज भी यही संसदीय व्यवस्था है। उम्मीद थी कि संसद का मानसून सत्र हंगामाखेज होगा, क्योंकि पेपरलीक के अलावा, राम मंदिर में चंदा-चढ़ावा चोरी, ई-20 एथेनॉल विवाद, परिसीमन, दलबदल सरीखे मुद्दे जन-सरोकार, लोकतांत्रिक शुचिता और आम आदमी की आस्था से जुड़े थे। यह भी अपेक्षा की जा रही थी कि जन-सरोकार के इन मुद्दों पर संसद में सार्थक, संरचनात्मक चर्चा होगी, लेकिन पेपरलीक से जुड़े बिल पर ही हमारे सांसदों की क्षुद्र और विरोधाभासी राजनीति बेनकाब हो गई। इसमें सत्ता-पक्ष के सांसद भी दूध के धुले हुए नहीं हैं। ऐसे एक सांसद ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री दिवंगत जवाहर लाल नेहरू पर ऐसी अभद्र और अश्लील टिप्पणी की, जिसे हम नैतिक रूप से लिखने के भी पक्षधर नहीं हैं। यह न सिर्फ शर्मनाक है, बल्कि संसदीय आचरण और बहस को गर्त में ले जाने वाला भी है। दूसरी ओर, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने, साक्ष्य और प्रमाणित किए बिना ही, बोल दिया कि प्रदर्शनकारी छात्रों पर पैलेट गन और बर्बर लाठीचार्ज का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया था। देश के 'तथाकथित' गृहमंत्री युवा, छात्र आंदोलन के बाद कांप रहे थे और वह डरे हुए हैं, लिहाजा सदन में मौजूद नहीं हैं। नेता प्रतिपक्ष को ऐसे आरोपों और शब्दों का प्रयोग करने की जरूरत ही क्या थी? यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि आंदोलन और प्रदर्शन के वक्त गोलीबारी और घातक लाठीचार्ज का अंतिम निर्णय गृहमंत्री या प्रधानमंत्री लेते हैं। ऐसी संसदीय अज्ञानता पर हम क्या टिप्पणी करें? ऐसे आदेश मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट (डीएम या एसडीएम) ही दे सकते हैं। आपात स्थितियों में पुलिस के डीसीपी या एसीपी को भी मजिस्ट्रेट की शक्तियां प्रदान की जाती हैं। अब यह कैसी संसदीय मर्यादा और विरोधाभास है कि विपक्ष मानता है कि आंदोलित युवाओं पर कीलदार लाठियों से हमले किए गए और पैलेट गन भी चलाई गई, लेकिन बिल पर बहस का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री दफ्तर में राज्यमंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पैलेट गोलीबारी से साफ इंकार किया है। अलबत्ता आंसू गैस के गोले दागने को जरूर स्वीकार किया है।वस्तुस्थिति यह है कि एम्स की मेडिकल रपट में पैलेट गन की पुष्टि की गई है, लेकिन दिल्ली पुलिस जिस अस्पताल का उल्लेख कर रही है, उसकी रपट में पैलेट की पुष्टि नहीं की गई है। क्या चिकित्सा के पेशेवर अस्पताल की मर्यादा, नैतिकता और शुचिता भी विरोधाभासी हो गई है, लिहाजा मर्यादाएं खंडित हो रही हैं?

समाजसेवी देवराम जी मन्सोरे का आकस्मिक निधन

■ बड़वाह। संभाग पोस्ट

सामाजिक विचार मंच मप्र के साथी व अम्बेडकर पेरियार मिशन के संस्थापक समाजसेवी यशवंत मन्सोरे के पूज्य पिता श्री देवराम जी मंसोरे (72) का आकस्मिक निधन हो गया।उनके निधन के समाचार से समाज मे शोक की लहर फेल गई। स्व.देवराम मन्सोरे (दादा)अच्छे समाजसेवी के साथ उन्नत कृषक थे।उन्होंने बच्चों को उच्च शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार दिए।उनके बड़े बेटे यशवंत मन्सोरे अपने सामाजिक विचारों के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करते है।उनके छोटे भाई शांतिलाल मन्सोरे शिक्षक व अमर मन्सोरे ने देश की सेना मे अपना अमूल्य योगदान दिया है।स्वगीय दादा कुछ दिनों से अस्वस्थ थे। उनकी अंतिम यात्रा उनके निज निवास ग्राम कदवालिया निकाली गई।उनका अंतिम संस्कार नर्मदा के उत्तर तट नावघाटखेडी मे किया गया।बड़े बेटे यशवंत मन्सोरे ने पिता की चिता को मुखागनी दी।समाज के प्रबुद्धजनों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।इस अवसर पर समाजसेवी डॉ.एन.एस.सोलंकी,बीआर सांवले,पीएन कांदौड़े,जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश बागदरे,भाईराम हिरवे,एम आर वाल्वांडरे,सुनील खांडेकर,पीएल भालसे,शंकर सांवले,देवराम हिरवे,शिवशंकर रोकडे,एनके कोचले,टीसी गोखले,दिनेश मंसारे,रमेश अंजना,अमरसिंह चौहान, सुरेन्द्र पंवार,प्रेमलाल अंजना सहित समाजजनो ने शोक व्यक्त करते हुए दादा के निधन को परिवार व समाज की अपूरणीय क्षति बताया व परिजनों को सांत्वना दी व दादा को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक व्यक्त किया।

फ़ार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट में मल्टीनैशनल कंपनियों और भारतीय सूक्ष्म-लघु मध्यम उद्योगों के लिए प्रबंधक के रूप में संभावनाएं- डॉ. नेहा शर्मा चौधरी

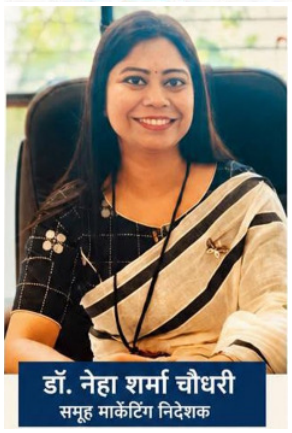

वर्तमान समय नवाचार एवं रोज़गार उन्मुखी शिक्षा की ओर है जो तकनीकि के साथ- साथ प्रबंधन के समुचित ज्ञान से ही संभव है। डॉ. नेहा शर्मा चौधरी, समूह मार्केटिंग निदेशक, के अनुसार, फ़ार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट एक अत्यंत नवाचारी और उद्योगों में अति आवश्यक कोर्स है, जो विभिन्न औद्योगिक संभावनाओं की ओर संकेत करता है। विशेष रूप से, भारतीय सूक्ष्म-लघु मध्यम उद्योग (MSMEs) और मल्टीनैशनल कंपनियों (MNCs) के लिए इस क्षेत्र में प्रबंधकों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

मौजूदा समय में, भारतीय फार्मा उद्योग वैश्विक बाजार में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। इसका मुख्य कारण है उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन और उचित मूल्य पर उपलब्धता। इसके बावजूद, उद्योग के बढ़ते प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में प्रबंधन के गुणों की मांग अत्यधिक बढ़ गई है। एम.बी.ए फ़ार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट का कोर्स इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से विज्ञान विषय में बी.फार्मा के बाद छात्रों के लिए उपयुक्त है, जिससे उन्हें उद्योग से जुड़े प्रबंधन कौशल प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

भारत में, मध्यप्रदेश स्थित ऑक्सफोर्ड इंटरनैशनल कॉलेज ऑफ मैनेजमेंट में इस कोर्स के लिए 240 सीटें हैं, जो इसे प्रदेश का सबसे बड़ा संस्थान बनाती हैं। यह पाठ्यक्रम इंडस्ट्री की डिमांड के अनुसार तैयार किया जाता है, जिसमें विद्यार्थियों को औद्योगिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाता है। कॉलेज ने फार्मा कंपनियों के साथ कई श्दळ समझौते किए हैं, जिससे छात्रों को अच्छे प्लेसमेंट के अवसर प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त, इस पाठ्यक्रम की फीस भी प्रदेश में सर्वोत्तम है, जो छात्रों के लिए एक उचित विकल्प प्रस्तुत करती है। इसके साथ ही, शासन द्वारा योग्य अभ्यर्थियों के लिए स्कॉलरशिप की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे आर्थिक बाधाओं को पार करना आसान होता है। सारांशित करते हुए, फ़ार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट में एम.बी.ए डिग्री न केवल छात्रों के लिए एक उत्कृष्ट करियर बनाने का द्वार खोलती है, बल्कि भारतीय सूक्ष्म-लघु मध्यम उद्योगों और मल्टीनैशनल कंपनियों में प्रबंधक के रूप में असीम संभावनाएं भी प्रदान करती है। यह सुनिश्चित करता है कि फर्म का विकास और नवाचार दोनों ही कार्य आते हैं। इस प्रकार, यह क्षेत्र भविष्य के लिए उज्ज्वल संभावनाओं का द्योतक है।

कोर्स की विशेषताएं

- 240 सीटें – प्रदेश का सबसे बड़ा संस्थान
- इंडस्ट्री आधारित पाठ्यक्रम
- फ़ार्मा कंपनियों के साथ MoU
- उद्योगिक प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान
- उत्तम प्लेसमेंट के अवसर
- सर्वोत्तम फीस संरचना
- शासन द्वारा स्कॉलरशिप सुविधा

मां नर्मदा के पावन तट से हजारों महिलाओं ने उठाई आस्था की कावड़

अवधूत धाम धरमराय से डही तक निकली भव्य 'मातृशक्ति कावड़ यात्रा'

■ डही । संभाग पोस्ट

श्रावण मास के पावन अवसर पर रविवार को डही क्षेत्र में आस्था, भक्ति और सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर के तत्वावधान में आयोजित भव्य मातृशक्ति कावड़ यात्रा में हजारों महिला श्रद्धालुओं एवं शिवभक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धार्मिक एकता और श्रद्धा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

नीलकंठेश्वर महादेव का किया जलाभिषेक, हर-हर महादेव और नर्मदे हर के जयघोष से शिवमय हुआ पूरा क्षेत्र

सुबह 9 बजे नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर, डही से बसों के माध्यम से कावड़ यात्री श्री अवधूत धाम आश्रम, नारायण कुटी (धरमराय कुआं) पहुंचे। यहां ब्रह्मलीन श्री श्री 1008 ब्रह्मचारी श्री ईश्वर दत्त जी महाराज की पावन स्मृति में मां नर्मदा के तट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विशेष धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए।

कार्यक्रम के दौरान मां नर्मदा का पूजन-अर्चन, कावड़ कलश पूजन, सामूहिक आरती, धार्मिक कथा एवं मां नर्मदा को चुनरी अर्पित कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि और विश्व कल्याण की मंगलकामना की गई। सामूहिक पूजा के उपरांत सभी श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से अपने-अपने कलशों में मां नर्मदा का पवित्र जल भरकर भव्य कावड़ यात्रा प्रारंभ की।

निशान, भगवा ध्वज, भजन-कीर्तन और 'हर-हर महादेव' तथा 'नर्मदे हर' के गगनभेदी जयघोषों के बीच यात्रा धरमराय से डही स्थित नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर पहुंची, जहां भगवान भोलेनाथ का विधिवत जलाभिषेक किया गया। इसके पश्चात सामूहिक महाआरती एवं पूजा-अर्चना संपन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूरे मार्ग में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं व्यापारिक संगठनों तथा ग्रामवासियों द्वारा कावड़ यात्रियों का पुष्पवर्षा एवं फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। अनेक स्थानों पर खिचड़ी प्रसादी, फल, जूस, शीतल पेय एवं अन्य जलपान की व्यवस्था कर श्रद्धालुओं की सेवा की गई, जिससे यात्रा का वातावरण और अधिक भक्तिमय एवं उत्साहपूर्ण बन गया।

आयोजकों द्वारा सुरक्षा एवं धार्मिक मर्यादा का विशेष ध्यान रखते हुए मां नर्मदा में स्नान पूर्णतः प्रतिबंधित रखा गया था। श्रद्धालुओं से सामूहिक पूजन एवं आरती संपन्न होने के बाद ही कलश में जल भरने का आग्रह किया गया, जिसका सभी ने अनुशासित रूप से पालन किया।

श्रावण मास में आयोजित यह भव्य मातृशक्ति कावड़ यात्रा क्षेत्र में धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश देकर संपन्न हुई। हजारों श्रद्धालुओं की सहभागिता और शिवभक्ति से ओत-प्रोत वातावरण ने पूरे क्षेत्र को शिवमय बना दिया तथा यात्रा ने धार्मिक आयोजनों की भव्यता का नया आयाम स्थापित किया।

रक्षाबंधन से पहले यात्रियों को लग सकता है झटका

निजी बसों का किराया 20 फीसदी तक बढ़ाने की तैयारी

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

भोपाल में परिवहन विभाग और निजी बस ऑपरेटरों के बीच हुई बैठक में किराया संशोधन पर सहमति बनने की जानकारी सामने आई है। अगले सप्ताह नए किराया निर्धारण का नोटिफिकेशन जारी होने की संभावना है। किराया बढ़ने का सबसे अधिक असर रक्षाबंधन पर यात्रा करने वाले यात्रियों और रोजाना बस से सफर करने वालों पर पड़ेगा।

अगले सप्ताह जारी हो सकता है नया नोटिफिकेशन

जानकारी के अनुसार गुरुवार को भोपाल में परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव मनीष सिंह और निजी बस ऑपरेटरों के प्रतिनिधियों के बीच इस संबंध में अहम बैठक हुई। सूत्रों के अनुसार बैठक में किराया संशोधन पर सहमति बनी है। इसके बाद परिवहन विभाग नए किराया निर्धारण का नोटिफिकेशन तैयार कर रहा है, जो अगले सप्ताह जारी होने की संभावना है। बस ऑपरेटर एसोसिएशन का कहना है कि प्रस्ताव पर अंतिम मुहर जल्द लग सकती है। यदि ऐसा होता है तो यात्रियों को अधिक किराया चुकाना पड़ेगा।

डीजल और संचालन लागत बढ़ने का दिया जा रहा हवाला

बस ऑपरेटर लंबे समय से डीजल की कीमतों, स्पेयर पार्ट्स, बीमा, कर्मचारियों के वेतन और रखरखाव की बढ़ती लागत का हवाला देकर किराया बढ़ाने की मांग कर रहे थे। उनका कहना है कि मौजूदा किराया संचालन लागत के मुकाबले काफी कम है, जिससे बसों का संचालन प्रभावित हो रहा है। उनका दावा है कि केवल डीजल ही नहीं, बल्कि टायर, टैक्स और अन्य खर्चों में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। इसी कारण किराया संशोधन की मांग लंबे समय से की जा रही थी। अब इस पर सहमति बनने की बात सामने आई है।

रक्षाबंधन पर यात्रियों की जेब पर पड़ेगा असर

किराया बढ़ने से सबसे ज्यादा असर रोजाना बस से यात्रा करने वाले यात्रियों और रक्षाबंधन पर घर जाने वाले लोगों पर पड़ेगा। त्योहार के दौरान हर साल बड़ी संख्या में लोग बसों से अपने गृह जिलों का सफर करते हैं। ऐसे में किराया बढ़ने से यात्रियों को पहले की तुलना में अधिक राशि चुकानी पड़ सकती है। बैंक कर्मी पारुल जैन का कहना है कि उन्हें रक्षाबंधन पर जबलपुर जाना है और किराया बढ़ा तो आने-जाने का खर्च और बढ़ जाएगा। उनका कहना है कि महंगाई पहले ही काफी बढ़ चुकी है।

2021 के बाद पहली बार होगा किराया संशोधन

प्रदेश में निजी बसों के किराए में आखिरी बार वर्ष 2021 में संशोधन किया गया था। उस समय डीजल की कीमत करीब 90 से 91 रुपये प्रति लीटर थी, जबकि अब इंदौर में डीजल लगभग 100 रुपये प्रति लीटर पहुंच चुका है। यानी पिछले संशोधन के बाद डीजल करीब 9 से 10 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है। बस ऑपरेटरों का कहना है कि बढ़ती लागत के कारण किराया संशोधन जरूरी हो गया है। प्राइम रूट बस ऑनर्स एसोसिएशन के गोविंद शर्मा ने कहा कि बैठक में किराया बढ़ाने पर सहमति बन गई है और अगले सप्ताह नोटिफिकेशन जारी हो सकता है।

20 फीसदी किराया बढ़ा तो इतना होगा नया किराया

अगर प्रस्तावित 20 प्रतिशत किराया वृद्धि लागू होती है तो यात्रियों को विभिन्न रूटों पर पहले से अधिक किराया देना होगा। इंदौर से भोपाल का वर्तमान किराया 414 रुपये है, जो बढ़कर करीब 497 से 500 रुपये हो सकता है। इंदौर से जबलपुर का किराया 1400 रुपये से बढ़कर 1680 रुपये तक पहुंच सकता है। वहीं इंदौर से ग्वालियर का वर्तमान किराया 1000 रुपये से बढ़कर 1200 रुपये होने की संभावना है। हालांकि अंतिम किराया राज्य सरकार की अधिसूचना जारी होने के बाद ही तय होगा।

इंदौर के जिस आश्रम में बुजुर्गों के साथ हुई थी मारपीट

उसके अवैध हिस्से को निगम ने ढहाया

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के बाणगंगा क्षेत्र के प्रेमानंद आश्रम के अवैध निर्माण को नगर निगम की रिमूवल गैंग ने सोमवार को तोड़ दिया। यह वही हिस्सा था, जहां बुजुर्गों को रखा जाता था और वहीं एक वृद्धा के साथ आश्रम में रह रहे नाबालिग लड़के ने मारपीट की थी।

दोपहर में नगर निगम का अमला मौके पर पहुंचा। मारपीट की घटना सामने आने के बाद प्रशासन ने आश्रम के भवन को सील कर दिया था। पहले अधिकारियों ने आश्रम में रखा सामान सुरक्षित बाहर रखवाया। विवाद की स्थिति न बने, इसके लिए पुलिसकर्मी भी अमले के साथ मौजूद थे। भवन को खाली कराने के बाद बुलडोजर की मदद से उसके अवैध हिस्से को ढहा दिया गया। इस निर्माण का न तो नक्शा मंजूर था और न ही नगर निगम से इसकी अनुमति ली गई थी।

वृद्धा के साथ मारपीट का मामला सामने आने के बाद प्रशासन ने जब आश्रम की जांच की तो पता चला कि आश्रम के संचालन के लिए किसी भी तरह की अनुमति नहीं ली गई थी। अधिकारियों को भी जानकारी नहीं थी कि इस क्षेत्र में इस तरह का आश्रम संचालित हो रहा है।

आश्रम जिस भवन में संचालित हो रहा था, वह नगर निगम की पानी की टंकी के परिसर में स्थित है। जिस भवन में आश्रम चलाया जा रहा था, उसे आंगनवाड़ी के लिए आवंटित किया गया था, लेकिन उस पर कब्जा कर आश्रम संचालित किया जा रहा था। उसके पास ही अवैध निर्माण कर कमरे बना लिए गए थे।

बता दें कि गत दिनों इस आश्रम में रह रहे एक नाबालिग ने एक वृद्धा के साथ मारपीट की थी। इसके बाद आश्रम में रह रहे बुजुर्गों को दूसरे आश्रमों में शिफ्ट कर दिया गया, जबकि जिन बुजुर्गों की तबीयत खराब थी, उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया।

खंडवा की महिला ने इंदौर के होटल में की आत्महत्या, इलाज के लिए आई थी

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के स्कीम नंबर 54 क्षेत्र में पुलिस ने होटल के कमरे से एक महिला का शव बरामद किया है। उसने जहर खाकर आत्महत्या कर ली है, लेकिन पुलिस को अभी आत्महत्या की वजह पता नहीं चल सकी है। महिला माइग्रेन की बीमारी से पीड़ित थी और अक्सर खंडवा से इलाज कराने इंदौर आती थी। रविवार को भी वह इलाज के लिए ही इंदौर आई थी और होटल व्यू में कमरा बुक किया था। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर होटल कर्मचारियों को शक हुआ। इसके बाद उन्होंने दूसरी चाबी से कमरा खोला तो महिला का शव बिस्तर पर पड़ा मिला। होटल प्रबंधन ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल पहुंचाया। इसके बाद महिला के परिजनों को भी खंडवा में सूचना दी गई। परिजन शाम तक इंदौर पहुंच गए। महिला की पहचान 26 वर्षीय ताहिरा के रूप में हुई है। उसके एक बेटा और एक बेटी हैं। परिजनों को भी आत्महत्या की असली वजह का पता नहीं है। उनका कहना है कि बीमारी के कारण वह अक्सर परेशान रहती थी। हालांकि, उसने आत्महत्या क्यों की, इसका खुलासा अभी नहीं हो सका है। पुलिस को होटल के कमरे से कोई सुसाइड नोट भी नहीं मिला है। पुलिस ने महिला का मोबाइल जब्त कर लिया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसमें कोई रिकॉर्ड किया हुआ सुसाइड नोट या अन्य महत्वपूर्ण जानकारी तो नहीं है। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आत्महत्या से पहले महिला ने किन-किन लोगों से बातचीत की थी।

राजस्व विभाग में शुरु होगा ई-ऑफिस, ऑनलाइन होगा काम, रूकेगा फर्जीवाड़ा

• इंदौर । विशेष प्रतिनिधि

एमपी के इंदौर शहर में हाल ही में नगर निगम के राजस्व विभाग में संपत्तिकर नामांतरण का फर्जीवाडा सामने आया है, जिसकी जांच चल रही है। कल जब निगमायुक्त ने राजस्व विभाग के अफसरों की क्लास लगाई तो उन्होंने विभाग से संबंधित सभी फाइलें ई-ऑफिस (ऑनलाइन) के जरिए चलाने के निर्देश दिए ताकि फर्जीवाड़े को रोका जा सकें। ई-ऑफिस की व्यवस्था एक-दो दिन में लागू करने, बड़े टैक्स बकायादारों पर शिकंजा कसने और पैसा न देने पर उनकी संपत्ति पर ताला लगाने का भी अफसरों से कहा गया है।

पेश की जाएगी जांच की रिपोर्ट

राजस्व विभाग मुख्यालय पर लगभग 354 से अधिक संपत्तिकर खातों का नामांतरण नोटरी के आधार पर कर दिया, जबकि नोटरी पर नामांतरण नहीं होता है। इस फर्जीवाड़े के सामने आने के बाद जांच चल रही है, जिसकी रिपोर्ट एक-दो दिन में निगमायुक्त क्षितिज सिंघल की टेबल पर पहुंचने वाली है। इधर, निगमायुक्त सिंघल ने कल सिटी बस ऑफिस में राजस्व विभाग के अपर आयुक्त आकाश सिंह, उपायुक्त गरिमा पाटीदार, 22 जोन के समस्त सहायक राजस्व अधिकारी (एआरओ), बिल कलेक्टर आदि की क्लास लगाई।

मैन्यूअल काम पूरी तरह बंद

निगमायुक्त सिंघल ने अफसरों को सख्त लहजे में कहा कि राजस्व विभाग में अब ई- ऑफिस के जरिए सारी फाइलें चलेंगी। हर काम की नोटशीट डिजिटल होगी और मैन्यूअल काम पूरी तरह बंद होना चाहिए। इससे फर्जीवाड़ा रूकेगा और काम में पारदर्शिता आएगी। राजस्व विभाग में ई-ऑफिस व्यवस्था एक-दो दिन में शुरू करने के निर्देश अपर आयुक्त सिंह को दिए गए हैं।

संपत्ति पर लगाए जाएंगे ताले , चलेगा अभियान

समस्त एआरओ और बिल कलेक्टर को निर्देशित किया कि बड़े टैक्स बकायादारों के विरूद्ध विशेष वसूली अभियान चला कर पैसा लाए। जो पैसा न दें, उनकी संपत्ति पर ताले लगाए जाए। राजस्व वसूली कार्य के दौरान जोन क्षेत्र में पीओएस मशीन एवं कंम्प्यूटर सिस्टम की अतिरिक्त डिमांड होने पर संसाधन उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए गए। वसूली के दौरान जो चेक बाउंस हुए हैं, उन चेक की रिकवरी भी एक सप्ताह में करने का कहा गया है। बिजली वितरण कंपनी के डाटा अनुसार रेसीडेंशियल व कमर्शियल प्रॉपर्टी का सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्रेषक-: दिलीप वर्मा | 7999848830 | समाज सेवा करने वालों के लिए संदेश

चुप्पी सम्मान योजना : बोलोगे तो फँसोगे!

समाज में इन दिनों एक नई योजना बड़ी तेजी से लोकप्रिय हो रही है,'चुप्पी सम्मान योजना'। इसके अंतर्गत जो व्यक्ति जितना बड़ा अन्याय देखकर भी चुप रहता है, उसे उतना ही समझदार, व्यवहारकुशल और परिपक्व माना जाता है। ??

किसी संस्था में गड़बड़ हो रही हो, किसी चुनाव में खेल हो रहा हो, किसी समिति में भाई-भतीजावाद चल रहा हो, या किसी मंच पर सच का गला घोंटा जा रहा हो,यदि आप चुप हैं, तो आप सम्मानित नागरिक हैं।

लेकिन भूल से भी यदि आपने सवाल पूछ लिया, तो आप तुरंत 'विवादित', 'नकारात्मक सोच वाले' या 'समाज विरोधी' घोषित कर दिए जाएंगे।

आजकल सच बोलने से पहले लोग यह नहीं सोचते कि बात सही है या गलत। वे यह सोचते हैं कि सामने वाला कितना ताकतवर है। यदि ताकतवर है तो सच भी झूठ बन जाता है और यदि कमजोर है तो झूठ भी अपराध बन जाता है। हमारे समाज में एक नया आदर्श वाक्य प्रचलित हो गया है, 'सब देखो, सब समझो, लेकिन कुछ मत बोलो।'

बोलने से रिश्ते खराब हो सकते हैं, पद जा सकता है, निमंत्रण बंद हो सकते हैं, व्हाट्सएप ग्रुप से बाहर निकाले जा सकते हैं। इसलिए समझदार लोग आजकल अपनी अंतरात्मा को साइलेंट मोड पर रखकर जीवन जी रहे हैं।

मजे की बात यह है कि हर व्यक्ति निजी बातचीत में क्रांतिकारी होता है। चार लोग मिल जाएँ तो व्यवस्था की धज्जियाँ उड़ा देता है। लेकिन जैसे ही वही बात सार्वजनिक मंच पर कहने का अवसर आता है, उसकी क्रांति अचानक छुट्टी पर चली जाती है।

कुछ लोग तो इतने अनुभवी हो चुके हैं कि अन्याय देखकर भी चेहरे पर मुस्कान बनाए रखते हैं। मानो कह रहे हों, 'हमें सब पता है, लेकिन हमें कुछ पता नहीं है।'

भीड़ भी बड़ी अद्भुत चीज है। भीड़ में खड़े होकर हर व्यक्ति खुद को सुरक्षित महसूस करता है। वहाँ किसी को सोचने की आवश्यकता नहीं होती। बस ताली बजाइए, सिर हिलाइए और घर जाइए। निर्णय कोई और करेगा, जिम्मेदारी कोई और उठाएगा और भविष्य की शिकायतें हम सब मिलकर करेंगे। फिर वर्षों बाद वही लोग बैठकर चर्चा करते हैं कि समाज आगे क्यों नहीं बढ़ रहा, योग्य लोग सामने क्यों नहीं आ रहे, और गलत लोग बार-बार सफल क्यों हो रहे हैं। उत्तर बहुत सरल है। क्योंकि गलत लोग सक्रिय हैं और सही लोग सुविधाजनक मौन में व्यस्त हैं।

कभी भी चुप रहने वालों का इतिहास नही बना, इतिहास उन्हीं का बना जिन्होंने सवाल पूछे, विरोध सहा, आलोचना झेली और फिर भी अपने विचारों पर डटे रहे।

इसलिए यदि आप भी समाज में प्रतिष्ठित बने रहना चाहते हैं, तो कृपया इस 'चुप्पी सम्मान योजना' का लाभ लेते रहिए। अन्याय देखिए, सिर हिलाइए, पानी पीजिए और घर जाइए।

लेकिन यदि सचमुच बदलाव चाहिए, तो योजना से बाहर निकलना पड़ेगा।

क्योंकि अब समय ऐसा आ गया है कि चुप्पी केवल कमजोरी नहीं, बल्कि कई बार अपराध की साझेदार बन जाती है।

और इतिहास गवाह है,समाज को नुकसान हमेशा बुरे लोगों ने नहीं पहुँचाया, कई बार अच्छे लोगों की चुप्पी ने भी पहुँचाया।

प्रेषक-: दिलीप वर्मा , 7999848830, समाज सेवा करने वालो के लिए यहां मैसेज हे, परन्तु वर्तमान परिपेक्ष्य में समाज के उत्थान के लिए विचारणीय है...धन्यवाद...!

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

- समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
- ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
- ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
- हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
- हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
- जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
- यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
- अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
- हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

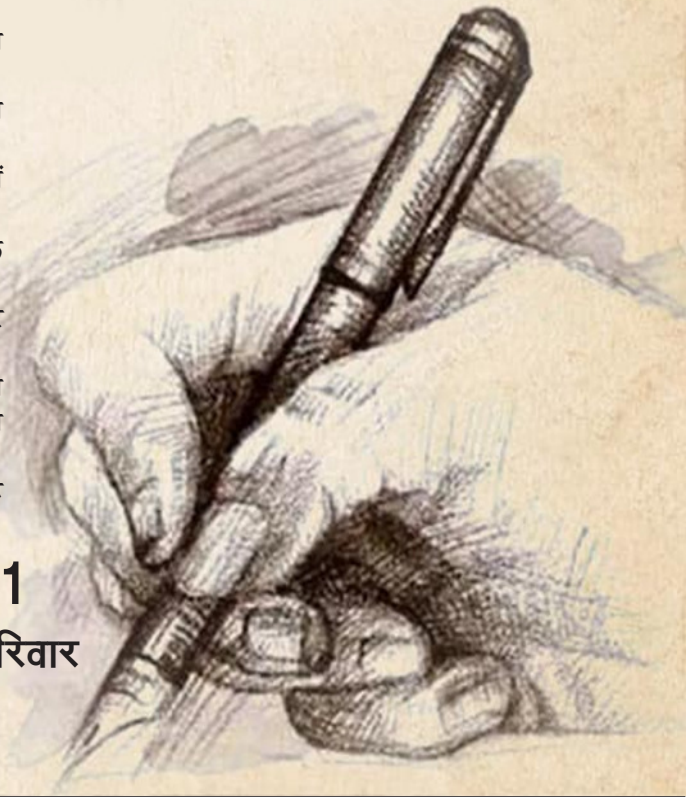

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

विशेष शस्त्र बल बटालियनः खरगोन या खंडवा? कांग्रेस ने घेरा सरकार

खरगोन में विशेष शस्त्र बल बटालियन पर असमंजस, कांग्रेस ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

■ **खरगोन । संभाग पोस्ट**

कांग्रेस पार्टी ने खरगोन में विशेष शस्त्र बल (एसएएफ) बटालियन की स्थापना को लेकर सरकार पर असमंजस पैदा करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने राज्यपाल को एक ज्ञापन भेजकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। कांग्रेस ने बताया कि 14 दिसंबर 2022 को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने खरगोन में विशेष शस्त्र बल बटालियन की स्थापना की घोषणा की थी। हालांकि, 27 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इसी बटालियन की स्थापना खंडवा में करने का ऐलान किया है, जिससे पूरे खरगोन जिले में भ्रम की स्थिति बन गई है। कांग्रेस ने सवाल उठाया है कि चार साल पहले की गई पूर्व मुख्यमंत्री की घोषणा पर अब तक अमल क्यों नहीं हुआ और खरगोन में बटालियन क्यों स्थापित नहीं की गई। पार्टी ने भाजपा सरकार पर खरगोन जिले के साथ विश्वासघात करने और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने यह भी पूछा कि क्या मुख्यमंत्री बदलने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री की घोषणाओं का कोई महत्त्व नहीं रह जाता। कांग्रेस ने खरगोन जिले के तीनों भाजपा विधायकों और सांसद की चुप्पी पर भी सवाल उठाए हैं, जो प्रदेश और केंद्र सरकार का हिस्सा हैं। पार्टी ने कहा कि उनकी खामोशी साबित करती है कि भाजपा खरगोन की जनता को केवल अपना वोट बैंक समझती है। कांग्रेस ने घोषणा की है कि वह विपक्ष के तौर पर इस मुद्दे को ईमानदारी से उठाती रहेगी। पार्टी ने चेतावनी दी है कि जब तक खरगोन में विशेष शस्त्र बल बटालियन की स्थापना नहीं हो जाती, तब तक आंदोलन किया जाएगा।

लोकायुक्त तक पहुंचा राजस्व अभिलेखों में गड़बड़ी का मामला, जांच की मांग

■ **खरगोन । संभाग पोस्ट**

शहर के बिस्टान रोड़ पर मुख्तारनामा से नामांतरण, बंटवारा प्रकरणों में की गई गड़बड़ी का मामला अब लोकायुक्त इंदौर तक पहुंच गया है। मामले में खरगोन कलेक्टर को भी मय दस्तावेजों की शिकायत की गई है।

शिकायतकर्ता साजिद पिता इकबाल शेख सहित 13 अन्य निवासियों ने शिकायत में बताया कि खसरा क्रमांक 214/2 से संबंधित राजस्व अभिलेखों में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। शिकायत में समाप्त हो चुके मुख्तारनामा के आधार पर किए गए नामांतरण एवं बंटवारा प्रकरणों में गंभीर गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं अन्य व्यक्तियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम एवं अन्य लागू विधिक प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

शिकायतकर्ताओं ने स्वयं को हुसैनी बी पति वजीर का विधिक वारिस बताया है। उनका आरोप है कि खसरा क्रमांक 214/2 से जुड़े राजस्व अभिलेखों में जानबूझकर अनियमितताएं की गई हैं, जिससे उन्हें अपनी पैतृक संपत्ति के अधिकारों से वंचित किया जा रहा है।

इस संबंध में कलेक्टर खरगोन को पूर्व में दिनांक 20 फरवीर 2023 एवं 16 जून 2026 को लिखित शिकायतें प्रस्तुत की गई थीं, किन्तु आज तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। शिकायतकर्ताओं ने उपलब्ध अभिलेखों के गहन अध्ययन के आधार पर राजस्व अभिलेखों में गंभीर अनियमितताएं होने का संदेह व्यक्त किया है। उन्होंने लोकायुक्त से मांग की है कि इस पूरे मामले की गहराई से पड़ताल की जाए और उन्हें उनके हक- अधिकार की जमीन दिलाई जाए।

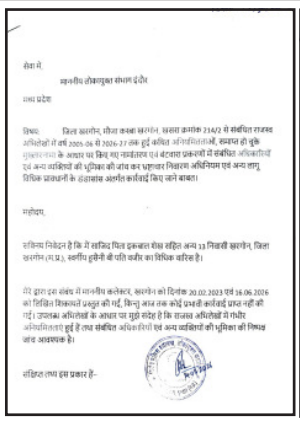

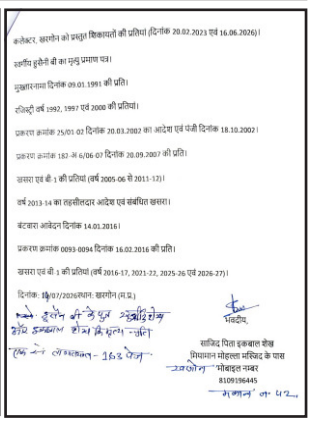

खरगोन पुलिस को बड़ी सफलता, श्मशान घाट हत्याकांड का खुलासा; एक आरोपी गिरफ्तार

■ **खरगोन । संभाग पोस्ट**

बरुड थाना पुलिस ने ग्राम बरुड स्थित हरि मुक्तिधाम (श्मशान घाट) में हुए युवक की हत्या के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, घटना 24-25 जुलाई की रात की है, जबकि 25 जुलाई को श्मशान घाट में युवक का शव मिला था। जांच में मृतक की पहचान धर्मेन्द्र जाटव (36) निवासी जिला एटा (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई। पुलिस ने घटनास्थल के साक्ष्य, पोस्टमार्टम रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज, साइबर सेल, एफएसएल, डॉग स्क्वाड और मुखबिरों की मदद से मामले की गहन जांच की। करीब सात दिन की पड़ताल के बाद पुलिस ने विक्रम पिता तिखिया भुरिया (35) निवासी ग्राम सिलोटिया को गिरफ्तार किया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने तीन साथियों के साथ सोसायटी से खाद चोरी करने की नीयत से आया था। श्मशान घाट के पास बैठे युवक से विवाद होने पर चारों ने पत्थरों और पेवर ब्लॉक से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को करीब 150 मीटर तक घसीटकर मुक्तिधाम परिसर के अंदर छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके तीन फरार साथियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में लूट, चोरी एवं आर्म्स एक्ट के प्रकरण भी दर्ज हैं।

नितिन नवीन की सीट पर प्रशांत किशोर जीते भाजपा प्रत्याशी को 19324 वोट से हराया

■ नई दिल्ली । संभाग पोस्ट

बिहार, मध्य प्रदेश और गुजरात की तीन विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों के रिजल्ट आ गए हैं। एमपी के दतिया में कांग्रेस और गुजरात में भाजपा जीत गई है। बिहार के बांकीपुर में नितिन नवीन की सीट पर प्रशांत किशोर जीत गए हैं। जन सुराज पार्टी के फाउंडर प्रशांत किशोर 19,324 वोटों से जीते हैं। प्रशांत को 64,151 वोट मिले, जबकि भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार को 44,827 वोट मिले हैं। बांकीपुर सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की पारंपरिक सीट है। वे यहां से लगातार 5 बार विधायक रहे हैं। उनके राज्यसभा जाने के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया गया। काउंटिंग के दौरान चुनाव आयोग की वेबसाइट पर कुछ गड़बड़ देखने को मिली। सुबह से वेबसाइट पर 31 राउंड की काउंटिंग बताई जा रही थी। 31 राउंड पूरे होते ही पहले 32 और फिर 36 राउंड काउंटिंग दिखाई जाने लगी। बाद में फिर 32 राउंड की काउंटिंग दिखा दी गई। इधर, MP के दतिया में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने 6,016 वोटों से जीत दर्ज की। भाजपा ने यहां पूर्व गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया था। आशुतोष नरोत्तम मिश्रा के पोलिंग बूथ पर भी नहीं जीत पाए। गुजरात के मांजलपुर में भाजपा के सतेन्द्रभाई (सतीश) पटेल ने 30630 वोटों के बड़े अंतर से जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस के भिखाभाई रबारी को हराया। तीनों सीटों पर 30 जुलाई को वोटिंग हुई थी।

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस के घनश्याम सिंह 6000 से ज्यादा वोटों से जीते, भाजपा के आशुतोष तिवारी की हार

मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव का परिणाम सोमवार को सामने आ गया है। राज्य में सत्ताधारी दल भारतीय जनता पार्टी को उपचुनाव में बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने दतिया से जीत हासिल कर ली है। वहीं, भाजपा के उम्मीदवार आशुतोष तिवारी चुनाव हार गए हैं। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने 6016 वोट से दतिया में जीत हासिल की है।

क्या रहा परिणाम?

दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव में मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच था। दतिया में वोटिंग 30 जुलाई को हुई थी। वहीं, चुनाव का परिणाम सोमवार 3 अगस्त को सामने आया। चुनाव के रिजल्ट में कांग्रेस के उम्मीदवार घनश्याम सिंह को 66757 वोट मिले। वहीं, भाजपा के आशुतोष तिवारी को वोट 60741 मिले। इसके साथ ही कांग्रेस के घनश्याम सिंह को 6025 वोट से जीत मिली।

नरोत्तम मिश्रा को नहीं मिला था टिकट

आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने दतिया उपचुनाव में आशुतोष तिवारी पर दांव खेला था। वहीं, बीजेपी के आशुतोष तिवारी के खिलाफ कांग्रेस ने घनश्याम सिंह को चुनावी मैदान में उतारा था। आपको बता दें कि दतिया सीट पर पहले बीजेपी के नरोत्तम मिश्रा दावेदार थे लेकिन बीजेपी ने ऐन मौके पर नरोत्तम मिश्रा का टिकट काटकर आशुतोष तिवारी को दे दिया। टिकट कटने की वजह से नरोत्तम के समर्थकों में बेहद गुस्सा था और अब ये दतिया के परिणाम में नजर भी आ रहा है। पिछले विधानसभा चुनाव में नरोत्तम मिश्रा दतिया से चुनाव हार गए थे।

क्यों हुआ उपचुनाव?

साल 2023 में हुए मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के राजेंद्र भारती दतिया विधानसभा सीट से जीत हासिल की थी। उन्होंने राज्य के पूर्व गृह मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता नरोत्तम मिश्रा को हराया था। हालांकि, एक पुराने केस में राजेंद्र भारती को सजा हो गई जिस कारण उनकी विधायकी रद्द कर दी गई। इसी कारण से दतिया में उपचुनाव का आयोजन कराया गया। हालांकि, इस बार भी भाजपा दतिया सीट नहीं जीत पाई और कांग्रेस ने अपनी सीट वापस से जीत ली है।

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिकः 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पताः हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

AFSL SERVICES INDIA LLP
Registered Under Ministry of Corporate Affairs & MSME, Govt of India
An ISO 9001: 2015 Certified Forensic Science Laboratory, LLPIN: ACN-6724
FORENSIC SCIENCE SERVICES
Scientific Assistance Towards Justice
• Crime Scene Investigation
• Handwriting, Signature & Documents Examination
• Fingerprint Examination
• Audio & Video Examination
• Voice Examination
• Computer/Cyber Crime Investigation
• Fire & Arson Investigation
• Insurance Fraud Investigation
• 65B IEA Certificate [63(4)(c) BSA]
• Cross Examination of forensic experts and reports
• Forensic Training & Internship
• Medicolegal Consultancy
• Photography Examination
• Forensic Consultancy.
www.appliedforensicresearchsciences.in

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
❑ CBCE स्कूल बुक्स
❑ चिल्ड्रन बुक्स
❑ ऑफिस स्टेशनरी
❑ कम्प्यूटर स्टेशनरी
❑ स्कूल स्टेशनरी एवं
❑ गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर म.प्र.

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

महाकाल की पहली शाही सवारी चांदी की पालकी में निकले बाबा

भक्तों ने लगाए 'हर-हर महादेव' के जयकारे

■ उज्जैन । संभाग पोस्ट

पवित्र श्रावण मास के पहले सोमवार को उज्जैन पूरी तरह शिवमय नजर आया। सुबह से ही श्री महाकालेश्वर मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर ओर जय श्री महाकाल और हर-हर महादेव के जयघोष सुनाई दिए। भक्त भगवान महाकाल के दर्शन और उनकी पहली शाही सवारी के दर्शन करने के लिए घंटों पहले से मंदिर और सवारी मार्ग पर पहुंच गए थे। पूरे शहर का माहौल भक्ति और आस्था से सराबोर दिखाई दिया।

चांदी की पालकी में विराजे बाबा महाकाल

सावन की पहली सवारी में भगवान महाकाल अपने चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में चांदी की पालकी में विराजमान हुए। पालकी को सुंदर फूलों से सजाया गया था, जिससे उसका दिव्य स्वरूप और भी आकर्षक लग रहा था। जैसे ही बाबा महाकाल पालकी में विराजमान होकर मंदिर से बाहर निकले, श्रद्धालुओं ने फूल बरसाकर उनका स्वागत किया। हर तरफ भक्ति, श्रद्धा और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला।

भक्त ने गुप्त रूप से भेंट की पालकी

इस पालकी का कुल वजन लगभग 20 किलो 600 ग्राम है। दानदाता ने अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं की। मंदिर प्रशासन के अनुसार यह पालकी भगवान महाकाल के प्रति भक्त की गहरी आस्था और समर्पण का प्रतीक है।

प्रजा का हाल जानने निकलते हैं बाबा महाकाल

उज्जैन में सदियों पुरानी परंपरा है कि सावन और भाद्रपद महीने के हर सोमवार को भगवान महाकाल नगर भ्रमण पर निकलते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार बाबा महाकाल अपनी प्रजा का सुख-दुख जानने और सभी भक्तों को आशीर्वाद देने के लिए मंदिर से बाहर आते हैं। इसलिए इस सवारी का धार्मिक महत्व बहुत अधिक माना जाता है। देशभर से श्रद्धालु इस दिव्य यात्रा के दर्शन करने उज्जैन पहुंचते हैं।

भव्य साज-सज्जा और सुरक्षा के बीच निकली सवारी

बाबा महाकाल की पहली सवारी को लेकर पूरे सवारी मार्ग को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। जगह-जगह फूलों की सजावट, रंगोली और स्वागत द्वार बनाए गए। श्रद्धालुओं ने रास्ते में फूलों की वर्षा कर भगवान का स्वागत किया। प्रशासन ने भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे। बड़ी संख्या में पुलिस बल, प्रशासनिक अधिकारी और स्वयंसेवक तैनात रहे ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

ढोल-नगाड़ों के बीच बढ़ता रहा श्रद्धा का कारवां

जैसे-जैसे बाबा महाकाल की पालकी आगे बढ़ती गई, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं का उत्साह भी बढ़ता गया। ढोल-नगाड़ों की गूंज, शंखनाद और शिव भजनों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। कई धार्मिक और सांस्कृतिक दल भी सवारी में शामिल हुए। भक्त नाचते-गाते भगवान महाकाल के दर्शन करते रहे। हर उम्र के लोग इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बनने के लिए सड़कों पर मौजूद रहे।

सावन में महाकाल की सवारी का विशेष महत्व

श्रावण मास भगवान शिव को समर्पित सबसे पवित्र महीना माना जाता है। इस दौरान उज्जैन में निकलने वाली बाबा महाकाल की सवारी का इंतजार पूरे साल किया जाता है। मान्यता है कि सवारी के दर्शन करने और भगवान महाकाल का आशीर्वाद लेने से जीवन में सुख, शांति और समृद्धि आती है। श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर बाबा के दरबार में पहुंचते हैं और उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं।

देशभर से पहुंचे श्रद्धालु

सावन के पहले सोमवार की इस शाही सवारी को देखने के लिए मध्यप्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के कई राज्यों से श्रद्धालु उज्जैन पहुंचे। मंदिर परिसर और सवारी मार्ग पर सुबह से ही भारी भीड़ रही। लोगों ने परिवार के साथ बाबा महाकाल के दर्शन किए और इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन का हिस्सा बने।

डही तहसील पत्रकार संघ की कमान फिर अरुण कुमरावत के हाथों में, लगातार तीसरी बार सर्वसम्मति से बने अध्यक्ष'

■ डही । संभाग पोस्ट

डही तहसील पत्रकार संघ ने एक बार फिर अपने नेतृत्व पर भरोसा जताते हुए वरिष्ठ पत्रकार अरुण कुमरावत को लगातार तीसरी बार सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित किया है। इस निर्णय के साथ उन्होंने अध्यक्ष पद पर हैट्रिक बनाते हुए संगठन में अपना मजबूत नेतृत्व कायम रखा है। रविवार को आयोजित पत्रकार संघ की बैठक में उपस्थित सभी पत्रकार साथियों ने एकमत से अरुण कुमरावत के नाम का समर्थन किया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि कुमरावत ने अपने कार्यकाल के दौरान संगठन को मजबूती प्रदान करने, पत्रकारों के हितों की आवाज बुलंद करने तथा हर परिस्थिति में साथियों के सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहने का कार्य किया है। अरुण कुमरावत अपनी सक्रिय, बेबाक एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए क्षेत्र में अलग पहचान रखते हैं। उनके सरल, सहज एवं मिलनसार व्यक्तित्व के कारण संगठन में हमेशा एकता और सामंजस्य बना रहा। पत्रकार हितों से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्यों एवं संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए सभी सदस्यों ने उन्हें पुनः अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय लिया। तीसरी बार अध्यक्ष चुने जाने पर पत्रकार साथियों ने अरुण कुमरावत का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में डही तहसील पत्रकार संघ आगे भी पत्रकारों के हितों की रक्षा करते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। इस अवसर पर उपस्थित पत्रकारों ने कहा कि संगठन की एकजुटता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और अरुण कुमरावत के नेतृत्व में यह मजबूती आगे भी कायम रहेगी। बैठक का समापन सभी सदस्यों द्वारा नव-निर्वाचित अध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामनाएं देने के साथ हुआ।

कावड़ यात्रा मार्ग पर नहीं जा पाएंगे बड़े वाहन, कावडियों के लिए होल्डिंग एरिया बनाए

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

सावन शुरू होते ही ओंकारेश्वर से उज्जैन तक कांवड़ यात्रा शुरू हो गई है। शिव भक्त ओंकारेश्वर से नर्मदा जल लेकर उज्जैन तक जाने लगे हैं। इसे देखते हुए पुलिस प्रशासन ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर कांवड़ियों की सुरक्षा और सुविधा का विशेष ध्यान रखा है। जगह-जगह होल्डिंग एरिया बनाए गए हैं, ताकि शिव भक्त वहां विश्राम कर सकें। इसके अलावा यात्रा मार्ग पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। इस बार कांवड़ यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री ने भी निर्देश दिए हैं, इसलिए प्रशासन अतिरिक्त सावधानी बरत रहा है। इंदौर से ओंकारेश्वर के बीच काफी ट्रैफिक रहता है और हादसों की आशंका बनी रहती है। इसी कारण मोरटक्का से इंदौर तक भारी वाहनों के ट्रैफिक को परिवर्तित मार्ग से भेजा जाएगा। भारी वाहन इंदौर से धामनोद, महेश्वर, बड़वाह होते हुए खंडवा की ओर जा सकेंगे। इसके अलावा खंडवा से आने वाले भारी वाहनों का ट्रैफिक भी इसी रूट से गुजरेगा। पुलिस ने कांवड़ यात्रियों के लिए बैनर लगाए हैं, जिनमें उन्हें उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई है। बाई गांव के दत्त मंदिर पर कांवड़ यात्रियों के रुकने की व्यवस्था की गई है। यहां भोजन की व्यवस्था भी रहेगी। इसके अलावा अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया है। पिछले साल इस मार्ग पर एक रेस्टोरेंट के कर्मचारियों और कांवड़ यात्रियों के बीच विवाद हो गया था, जिसके बाद मामला काफी गरमा गया था। बीते कुछ वर्षों में इस रूट पर कांवड़ यात्रियों की संख्या बढ़ने लगी है। इसके अलावा कई शिव भक्त महेश्वर से भी उज्जैन जाते हैं। इस पूरे मार्ग पर प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

जुलाई बीता, फिर भी इंदौर के तालाब खाली

शहर की प्यास बुझाने वाले यशवंत सागर में 12 फीट पानी

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में इस बार जुलाई माह में बारिश तो ठीक-ठाक हुई, लेकिन शहर के तालाबों का जलस्तर ज्यादा नहीं बढ़ पाया है। उन्हें लबालब होने में अगस्त माह पूरा लग सकता है। अभी तक कुछ तालाब आधे तो कुछ आधे से कम भरे हैं। शहर की प्यास बुझाने वाले यशवंत सागर तालाब में अभी 12 फीट पानी है, जबकि पिछले साल जुलाई में ही तालाब लबालब होने की स्थिति में था और गेट खोलकर भी तालाब से पानी बहाया गया था। इस तालाब की क्षमता 19 फीट है। अभी भी तालाब सात फीट खाली है।

यशवंत सागर के अलावा दूसरे तालाबों का पानी पेयजल के लिए तो नहीं लिया जाता है, लेकिन ये तालाब आसपास के क्षेत्रों के भूजल स्तर को बढ़ाते हैं। यशवंत सागर के बाद दूसरा बड़ा तालाब बिलावली है, लेकिन उसे भरने में ही ज्यादा वक्त लगता है, क्योंकि बायपास बनने के बाद तालाब की चैनलें अवरुद्ध हो गईं और तालाब में पानी काफी धीरे आता है। लिंबोदी तालाब भी इसी कारण खाली रहता है, हालांकि इस तालाब की चैनलों की सफाई के लिए नगर निगम ने विशेष तौर पर अभियान चलाया था।

छह टंकियों से होती है सप्लाई

शहर में यशवंत सागर तालाब से पश्चिमी क्षेत्र की छह टंकियों में हर दिन 30 एमएलडी पानी लिया जाता है। यह तालाब बारिश के सीजन में लबालब हो जाता है, तो सालभर पानी की चिंता कम रहती है, लेकिन इस बार यह तालाब भी धीरे-धीरे भर रहा है।

महापौर ने पार्षदों से मांगा 4 साल के कामों का हिसाब, जनता को दिया जाएगा रिपोर्ट कार्ड

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर नगर निगम परिषद के कार्यकाल के 4 वर्ष पूरे होने के अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने निगम के सभी पार्षदों से उनके कामकाज का रिपोर्ट कार्ड मांगा है। 5 वर्ष के कुल कार्यकाल में से 4 वर्ष पूरे होने जा रहे हैं, इसके साथ ही अब कार्यकाल के अंतिम वर्ष में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू हो गई है। महापौर ने अपनी परिषद की उपलब्धियों का विस्तृत बहीखाता तैयार करने की दिशा में यह कदम उठाया है।

पार्षदों से मांगे गए विकास कार्यों के ब्योरे

इस संबंध में शहर के सभी पार्षदों को एक विशेष संदेश भेजा गया है। प्रत्येक पार्षद से उनके संबंधित वार्ड में किए गए 5 मुख्य विकास कार्यों का पूरा ब्योरा प्रस्तुत करने को कहा गया है। इसके अलावा, पार्षदों को अपने वार्ड में निष्पादित किसी 1 बड़े और प्रमुख कार्य का अलग से उल्लेख करने के निर्देश भी दिए गए हैं। महापौर सभी पार्षदों से प्राप्त रिपोर्ट कार्ड को संकलित कर अपने कार्यकाल की कुल उपलब्धियों का आधिकारिक दस्तावेज तैयार कर रहे हैं।

सार्वजनिक की जाएगी उपलब्धियों की कहानी

जिस दिन निगम परिषद के 4 साल पूरे होंगे, उसी दिन इस रिपोर्ट कार्ड के माध्यम से उपलब्धियों के ब्योरे को जनता के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। इस माध्यम से नागरिकों तक यह संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा कि बीते 4 वर्षों में इंदौर शहर विकास के मामले में एक बेहद महत्वपूर्ण स्थिति में रहा है।

दूरगामी परियोजनाओं का अलग से प्रस्तुतिकरण

इसके साथ ही महापौर के नेतृत्व में शुरू की गई दीर्घकालिक और दूरगामी परियोजनाओं को अलग से प्रदर्शित किया जाएगा। इन प्रमुख योजनाओं में नर्मदा पेयजल योजना का 4वां चरण, अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत पुराने इंदौर क्षेत्र की पेयजल और ड्रेनेज पाइपलाइनों को बदलने का कार्य, शहर भर में जल वितरण व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए नई टंकियों का निर्माण, तथा मास्टर प्लान में प्रस्तावित 23 प्रमुख सड़कों का निर्माण कार्य शामिल है। इन सभी विकास कार्यों को भविष्य के आधुनिक इंदौर के निर्माण के आधार स्तंभ के रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

SVC CO-OPERATIVE BANK LTD
SATYASANKALP SAMADHAN FOUNDATION
SCAN & PAY
BHIM UPI
G Pay paytm

सत्यसंकल्प समाधान फाउंडेशन

गैर-लाभकारी संस्था है,जो समाज में पारदर्शिता, भ्रष्टाचार मुक्त भारत, कानूनी जागरूकता और जन-कल्याण के लिए समर्पित है। हम बेहतर समाज निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करते हैं।

सत्यमेव जयते..!

संस्था का सदस्य बनने व दान करने हेतु दी गई लिंक पर क्लिक करें।
https://forms.gle/B3p43qNHrErnEsfX9
आपका महत्वपूर्ण सहयोग, अपेक्षित हैं। धन्यवाद...!

(सामाजिक संस्था, भारत)
सत्यसंकल्प समाधान फाउंडेशन
विज़न और मुख्य उद्देश्य

- भ्रष्टाचार-मुक्त समाज की स्थापना
- प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही
- सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच
- आर.टी.आई. कानून का प्रभावी कार्यान्वयन
- जनहित याचिकाएं (PIL) और कानूनी सहायता
- नागरिक अधिकार संरक्षण और सशक्तिकरण
- सतत पशु कल्याण और पर्यावरण संरक्षण
- स्किल इंडिया के तहत कौशल विकास
- प्रशासनिक और सामाजिक ऑडिट

इन्दौर, मध्य प्रदेश
Email: sanstha@satyasankalpsamadhan.in
9111611169
Website: satyasankalpsamadhan.in

कार्यालय पता: 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक: नवीन गलकर, मो. 9009919948